

१०३ नमानाद्य
नायशाथम
अयलपलनाद्य
धनवृजय
१०४ लुके सासति
१०५ यनवाग
धनि जजामका
१०६ दवाचवान
कलुयगाद्रु
१०७ यिनाल द विरु
१०८ पश्यनद्रु
कलसयद्रु
१०९ दसकन सिधमद
लिधुविलदयान
११० यद्रुशुकायुत
ईद्रुकायानक
१११ कलंगनद्रु
११२ यद्रुद्रुवाग
११३ रुवाकवयथि
११४ रुमाच लिमिवा
११५ कायानाद्य
११६ अडलखावाद्य

११७ रुद्रुमत्रुगळवाग
११८ एरीवळ कूकम
११९ कसुनि केयून
१२० रुद्रुआचन
१२१ रुद्रुसवाखा
१२२ सिधनगल
१२३ रुद्रुजाद्रु
१२४ रुद्रुयवास रुद्रुनि
१२५ नानद्यतिद्रु
१२६ नानधनाद्य
१२७ रुद्रुगामाध समय
१२८ रुद्रुमलचक्रनक
१२९ रुद्रुयुकायालक
१३० रुद्रुलयाग
१३१ रुद्रुचनन
१३२ रुद्रुद्रुवाग
१३३ रुद्रुनवतिद्रु
१३४ रुद्रुद्रुवाग
१३५ रुद्रुमालानवत
१३६ रुद्रुखालयाग
१३७ रुद्रुवलियाग
१३८ रुद्रुनिवृतिद्रु

१ ककुलुयुडा ॥ १
१ रुस र्क नि ॥
१ स सा ॥ ख न द वा
१ वा क दि व ॥ २
१ क वा रु दि ॥ २
१ क ल स म
१ क लि म वा पा ॥
धु न द ल क या ना ॥

१ उ न म श्री नृ ह्य
धु ना य ॥ श्री गु न
थान म ॥ ४ ॥ मूल
मि द्वि क म य नि
या नि लि ख न ॥ ४ ॥
१ रु थु को रु नि म
न न भ न य जा या
य य लो रु ध य ॥
१ स नि को रु आ
जा र्य ना या ख न
मा ग म य न ॥ ५ ॥ ल
सि या य ख लि म
न या य व म रु
ल ना ड ज आ दि ॥

१ थ व थ व नि ह्य
क र्म ध न का व
१ ग ग क लु लि
उ धा च न ॥ १ ॥
१ र म वि क य न
क र्म म ग म अ
व न श्री य लु
गु वा स क ल
मि र्ण ॥ १ ॥
१ मू व ल ल कि
या क म धा व
१ रि को न अ व
को न अ व य
र व न च रु अ
व रु द्वा च ॥ १ ॥
१ लि लि ला य ॥

१ ना ठ ध व यु जा
का दा व व न
१ ग म वि न य
ल रु व (थ र्)

१ धनलि नाठध्व
वस मजोताध्व
संयुदायवायन॥
समस्तं धनलि
यूलकं स माल
को धं दि वि आदि
नं वायनातनामा
हनी मलुलमाव
रुतना कयून कं
कमे लममावला
शीखलु कमुनि
शुवा शु कल लोमि
शं शुमिलयन
१ रिक्तावट कल
अष्टयय रिहग
वडुश वडुहाच
वडुश लूनकबा
१ रिक्ता सधदीय
यादुन ॥ १ रिक्ता नस
उमखवद ववाय
१ खगको नस वा
य खाल वडुन

१ अष्टयय सवाय
खालया ८
१ रिहग सवाय
अं पु र्व ३
१ वडुश सवाय
अं पु १० वानस ४
१ वलियान ७
धन समाल कल
दिक वाय वान

१ गगायय राजन
नाठध्व वयुजन
मान पं वा मृग
अलिमान ॥
१ मान लखनदाय
धनि वडि वाना
व लु दूथा फाव
खलि दवस
को वडुहा वनना
व जन सिधुय

जजामका इष्टि
अद्वान् स्वान्
समस्तं जजाम
अंयुजा याय
रज्जुद्यादि ॥ ० ॥
सूत्रोद्यदद्याग
जक्षवाक्
रज्जुस्वल्मलुला
कालेन युचन
स्काव ॥ न्यास ॥
हुं हुं हुं ॥ रज्जुस्काय
हुं हुं ॥ कानसाध
न ॥ हुं हुं गुष्ठा
यनम ॥ हुं हुं
यिनम ॥ हुं हुं
माथ ॥ नमः ॥
युं हुं ना मिथे नमः
हुं हुं निष्ठाये नमः
हुं हुं स्काय नमः

कन्यास ॥
हुं हुं दयाय नमः ॥
हुं हुं शिव सुखाय ॥
हुं हुं शिवायै वीर्यदय
हुं हुं कवचाय हुं ॥
हुं हुं गुरु याय वरद
हुं हुं स्काय रुद्र ॥
हुं हुं न्यास ॥
हुं हुं हुं ॥ शिवा
स्मान् ॥ हुं हुं हुं
सं शिव स्मान् ॥
हुं हुं हुं ॥ ल
लाटे ॥ हुं हुं
सं ॥ वक्र मल्ल
हुं हुं लं ॥ हुं हुं
हुं हुं ॥ नारा
हुं हुं ॥ गुष्ठा
हुं हुं ॥ ज्ञाने ॥

ॐ ह्रीं उं ४ या द दय
न वा क र्च न्या स ॥
स्वर्ग गल जल पा
य य जा ॥ ० ॥
ॐ ह्रीं सहस्र वाय
वि झ ह न ल वा
य धी मे ह न क्षा
नृत्त य थो द या न
आत्मा दि सर्व धा
क ल ॥ मूल य ठ
गल अर्ध वा ग य
जा ॥ जां की ह्रीं ह्रीं
जां ह्रीं ४ कृत्त पुष्टि
आत्मा ना दि लला
ह्रीं न ॥ मूल मे न
न आत्मा य जा ॥
वन्द ना दि युव ली
न भा द वा च्च न ॥ ० ॥
मृत् स म्भू ता न आ
वा रु न या य ॥ ० ॥
प्रि द व दू ज न ॥

नै न वा स ना य
या दू कां नै न
मय ना स ना य
या दू कां नै न
मृत्वा सु ना य या
दू कां नै न कां
कृत्त या ला य वा
कौ दू वा ॥ ० ॥
ह्रीं ह्रीं कूल यूग
वत्त के ना थ य
या दू कां ॥ गं गी
मृत्त कूल गल
ध्व जा य या दू कां
ध्व नै व ली ॥ ० ॥
दण्ड नै ली ॥ ० ॥
गज मू दा द धा य न
ज व ला स ॥ ० ॥
ॐ ह्रीं नै न न्दि म
महा नै व वा य
नम ह्रीं र व व ला स
ॐ ह्रीं म मा ह का

ल म हा रे व वा य
न म ॥ दो न स न
ॐ ह्रीं आ धा न य
ह्रीं न म ॥ विं डीं श्रीं
अ न ना स ना य
न म ॥ विं डीं श्रीं
सु क ॐ स ना य न म
विं डीं श्रीं ना ला स ना
य न म ॥ विं डीं श्रीं
य द्वा स ना य न म
विं डीं श्रीं य द्वा स ना
य न म ॥ विं डीं श्रीं
क ण व र्णा न म ॥
विं डीं श्रीं क र्णिका
य न म ॥ विं डीं श्रीं
विं डीं श्रीं य द्वा स ना
य न म ॥ विं डीं श्रीं
य द्वा स ना य न म ॥
विं डीं श्रीं व द्वा स ना
ना य न म ॥ विं डीं
श्रीं व द्वा य न म ॥
विं डीं श्रीं क ण ना न म

विं डीं श्रीं व द्वा य न म
न म ॥ विं डीं श्रीं ॐ
धृ यो य न म ॥
आ (गु या दि ॐ ॥
ना न ॥ विं डीं श्रीं
व द्वा य न म ॥ विं
डीं श्रीं अ न ना य
न म ॥ विं डीं श्रीं
अ व द्वा य न म ॥
विं डीं श्रीं अ न धृ यो
य न म ॥ वृ द्वा दि
उ ल ना न ॥ ६ ॥

१ न ना धा न ॥ ० ॥
विं डीं श्रीं ह ह ह
व क व क वि न व
ॐ ना ग क ल ल
म लि न ॥ उ टा इ
ठ डि न धृ स्व च
इ (धृ न सु री क
ल ॥ उ टा रि ॥ ४ ॥
उ ल य क ना य
व य व र्म ॥ ५ ॥

उह वाह नृप न
यं उम नृपि
लम वच न नि
दं लिङ्ग न व
कं व क लि का
वा रु मा लि का
तथ वा ली नृ
य चू र्य ख दा
न य द्वा म व च
ना गं ध नृ रु ध
ब ल्म क यो र्त्त
च क म ल्म नृ
स रु प्र नृ उ र्त्त
का र्त्त क ल रि
नृ च नृ य र्त्त
वृ ष पृ ष स न
स्वा य नृ य गी
न न र्त्त य नृ
नृ व र्त्त नृ य नृ
न स र्त्त नृ व
स्वा रि नृ ॥

नृ व र्त्त य नृ म
नृ व र्त्त ना रि का
य नृ लिङ्ग य नृ
मा न वा न रि का
थ र्त्त स व दृ वि
नृ ना र्त्त नृ ॥ ० ॥
नि र्त्त नृ ॥ ० ॥

नृ उ र्त्त य नृ ॥ ० ॥
नृ य र्त्त ॥ ० ॥
नृ ल म र्त्त ॥ ० ॥
नृ उ र्त्त लि ॥ ० ॥
नृ उ र्त्त नृ ॥ ० ॥
नृ म र्त्त नृ ॥ ० ॥
नृ य र्त्त नृ ॥ ० ॥
नृ वा य र्त्त नृ ॥ ० ॥
नृ ल र्त्त नृ ॥ ० ॥
नृ कि स र्त्त नृ ॥ ० ॥
नृ ता य नृ ॥ ० ॥

नृ व र्त्त नृ ॥ ० ॥
नृ न नृ नृ नृ

वै जल गण य
 नथ नमः ॥ १० ॥
 ख वस न नि ॐ
 महा काला य
 नमः ॥ नि ॐ
 दौ व दू क नाथ
 य नमः ॥ ११ ॥
 ॐ दू वा मा य नमः ॥
 ॐ दू ॐ श्री नमः ॥
 ॐ दू श्री डी नमः ॥
 ॐ दू कालि नमः ॥
 ॐ दू कल विकलि
 नमः ॥ ॐ दू वल
 विकली नमः ॥
 ॐ दू वलय सथ
 नी नमः ॥ ॐ दू
 सर्व पूरक मनी
 नमः ॥ ॐ दू म
 ना मनी नमः ॥
 पूर्वो दि ॐ ॥ ना
 क कलि के य ॥

ॐ ह्रीं ॐ स्वायं नमः
ॐ ह्रीं ॐ निधाय नमः
ॐ ह्रीं ॐ विद्याय नमः
मध्याह्ने
ॐ ह्रीं सदा जगता
य नमः ॥ ॐ ह्रीं
वामदेवाय नमः ॥
ॐ ह्रीं मृदुभाय
नमः ॥ ॐ ह्रीं गाय
त्रेसाय नमः ॥
ॐ ह्रीं ॐ ॥ नाय
नमः ॥ मध्याह्ने ॥
ॐ ह्रीं ठाकिनी नमः ॥
ॐ ह्रीं नाकिनी न
मः ॥ ॐ ह्रीं लाकि
नी नमः ॥ ॐ ह्रीं
काकिनी नमः ॥
ॐ ह्रीं साकिनी
नमः ॥ ॐ ह्रीं हा
किनी नमः ॥

ॐ ह्रीं या कि नी
नमः ॥ ॐ ह्रीं की
सनी नमः ॥
पूर्वादि शान्तिः ॥
ॐ ह्रीं ह्रीं काय
नमः ॥ ॐ ह्रीं पि
यू नान् काय नमः ॥
ॐ ह्रीं मूनि वना
लाय नमः ॥ ॥
ॐ ह्रीं ह्रीं मूनि
दिहाय नमः ॥
ॐ ह्रीं काला का
य नमः ॥ ॐ ह्रीं
कन्या लिनानमः ॥
ॐ ह्रीं च कदा द्वा
य नमः ॥ ॐ ह्रीं
रीस चूयाय नमः
॥ ॥
ॐ ह्रीं १ ॐ ह्रीं ७
मल के प्रयाय नमः

ॐ ह्रीं कूर्मयुक्ता
 ॐ गद्यालाननमः
 युवादि ॐ गी नाना
 ॐ ह्रीं चन्द्रमाला
 लायनमः ॥
 ॐ ह्रीं मृगमाला
 लायनमः ॥ ॐ ह्रीं
 अग्निमाला लाय
 नमः ॥ स ॐ ॥
 ॐ ह्रीं चतुर्वेदा
 यनमः ॥ ॐ ह्रीं
 जगद्वेदायन
 मः ॥ ॐ ह्रीं साम
 वेदायनमः ॥
 ॐ ह्रीं नृश्रेष्ठ
 दायनमः ॥
 युवादि ॐ रुद्रा
 नः ॥ ॐ ह्रीं कृत
 युगमयनमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

१ वसु धी थु ४ न॥
 ध्वय कृष्ण ॥ वलि ॥
 १ ध्वन संक्ष ॥ ० ॥
 जं गृ नी ना न सात्म
 न महा शै न वा यं
 न ल १॥ श्री वी न न
 सात्म न महा शै न
 वा य न म १॥ श्री ४
 क नू ल न सा न

[illegible]

ॐ ह्रीं गलक
य विष्णु ध्रुवाय
दिनाय काय नमः
भवता सु ॥ ० ॥
ॐ ह्रीं श्रीं वद
काय विद्या धिक
थ नमः ॥ म ॥ म ॥
समलसि न
॥ ति या ॐ लि ३
म ॥ ह ॥ श्रीं म ॥
ह ॥ म ॥ श्रीं व ॥
य स ॥ न ॥ य ॥
म ॥ श ॥ कि ॥ श ॥
गा य न म ॥ ॥ ॥
आ वा द न ॥ ॥ ॥
॥ ध ॥ न ॥ ॥ ॥
आ नि मू ॥ द ॥ ग ॥ य ॥

गगा वलि दद्यात्
ॐ ह्रीं गल दगाय
वलि गृह २ स्यात्
ॐ ह्रीं वद काय

वलि गृह २ स्यात्
ॐ ह्रीं न लि न व
ह्रीं गृह २ स्यात्
ॐ ह्रीं म ॥ द ॥ वा ॥ ला ॥
य व लि गृह २
स्यात् ॥ ॥ ॥ ॥
का स्व ला न ॥
ग या ला य व लि
गृह २ स्यात् ॥ ॥
ॐ ह्रीं द ॥ श्रीं वृ
थ ॥ ध ॥ न ॥ म ॥ द ॥ ला ॥ श ॥ व
वा य व लि गृह २
स्यात् ॥ ॥ ॥ ॥
य ल ॥ म ॥ दि म ॥
या गि ली श्या व लि
गृह २ स्यात् ॥ ॥
ॐ ह्रीं म ॥ व ॥ द ॥ ग ॥ य ॥
व लि गृह २ स्या
त् ॥ ॥ ॥ ॥
म ॥ व ॥ म ॥ ला ॥ श ॥ व

वायवोऽद्वयोऽति
योऽद्वययदिक
~~सु~~दीकायय
गकाथेचवस्मि
~~सु~~सुयुतायगइ
थादन२कह२
यच२मथ२क
न२चि२क२थन
कोनवनकाचयि
न२थनदुचिग
दुर्वदुर्निजीकि
न२समसखचमू
खादि२यचमंरु
नायसय२अग्नि
रुकायय२य
व२अरुसुसुय२
अरुकोननिथन
उसयूयसवाच
वासासय२०००
मयायसु

दीयजगमय
वीगानअलि
वलिचिसिग
००मावलिगु
२२च२मूच२
खख२खादि२
महागमवाधि
कयमहानृ
थ२चूयायक
मखकमख
यना२नम४
कुरु२३थादा

धार्मिकागाल
ववलिचिस
मरुमालक
यजायाय॥०॥
अरुमगनअय
यागदकनहाय
कवचमगलअ
ग००॥०॥

धनमुद्रा क नम
मूलमर्चुं लनका
स्थानकर्त नमः ॥ ० ॥
युजनं ॥ ० ॥

ॐ बुद्ध नमः ॥
३ ॥ गाल ॥ ॐ हूं
नैव व तिसमूह
य गालाय नमः ॥
निर्वजव ॥ ॐ हूं
नन्दि म ७ लाय
नमः ॥ निर्व खव ॥

ॐ हूं महं काल
म ७ लाय नमः ॥
काठामूचन ॥ ० ॥
ॐ हूं सनमाना
वाय लय नमः ॥
ववुलि ॥ ० ॥

ॐ हूं कौं का सल्य
यन ॥ ॐ हूं का
सधव लाय नमः

ॐ हूं मर्चुं वायन
म ॥ ॐ गद्रा क ॥
ॐ हूं किनुवाय
नमः ॥ ॐ गमान
ॐ हूं किनुवाय
नमः ॥ ॐ गमान
ॐ हूं सर्व सोरा
त्ये ध्व चीया दूका
या स ॥

ॐ हूं कनक्षाय नमः
ॐ हूं अना मि का
य खा हा ॥ ॐ हूं
म ७ माय वाय
ॐ हूं नृज न्याय
ॐ हूं अं गुष्टा
ववह ॥ ॐ हूं अरु
रुह ॥ ॐ हूं कलस
धनं कर्च न्या स
ॐ हूं हृदयाय नमः

[illegible]

मूलमस्तु न याव
न युज न राव
न युजथ न

नमो वाङ्मनयूज
युगाज्ञाय नमः॥
ब्रह्ममहाकाला
यनमः॥ वलि

[illegible]

नैर्यं ४ अर्न ग व
गिनी द वी या दू का
ने ४ अर्न म क
सू मा द वी या दू
का न नै ल क
अर्न ग मा लि नी
द वी या दू का न
न व ल्य ०० का ५
सै न म ४ ॥ कं ॥
पी ल्ये ल्ग न ५
सै न म ४ ॥ कं म
गो दू वा य कि या
ग ५ न म न नै डी
५ ४ स व ज न
मा रु मी द वी या
दू का ४ ॥ ३ ॥ कं मा
रु नी द वी या दू का
आ वा रु ना दि ॥ ० ॥
स व स मी रु नी
मू दा द ५ अ न
ध न मी रु नी

शाल य नि द य क
वि वि न ॥ कु ज य न
स ॥ १ ॥ वा च न न
सू ल म न वा य
म न न लि यो
ख न या यो ग या
ना म स आ ज न
थ म ५ क म ५
व रु २ सि दि २
ई न म ४ ॥ व का
सू का य य गु स
न य व य अ रु न
उ य स्या न धु न
यू रु स दू ध न
यू ज न ना ठ धु न
स सू ल म न
द द या दि ख उ
ग न यू ज आ वा
रु ना दि ध आ दि
न मा ल वी सा

ॐ धामि नयुता
यादादा ॥ धूय ॥
दीय ॥ नैव इति ॥
जाय ॥ रुहे ॥ १०८
ॐ ॥ अथ म
अनमस्क नया
य ॥ धन धूनदाव
पूलक दयकन ॥
पूलक म यूजाया
य ॥ मदतसा ॥
यशुगर्थ नयाय

गता पूलक या यू
जा विधान धन ॥

१८ नमः ४ धी सर्व
सा रा ग्य धनी देव
गता भा रुनी सा
धन ॥ वीचक ल
स यत ॥ वन विक
॥ ॥ य की च व
य रु ॥ चक के
य रु न य रु

१८ दिना युक्ता
यथ न ॥ मूलक
ल स यत रु ॥
वा ध युवस्थ वन ॥
युक्त के जय मा
ला ॥ काम ना ज
स्थ वन ॥ या ॥
क ॥ ॥ ॥ कि वी
य स्थ वन ॥

१८ ता रु लि
उ ध व ॥ क रु
वि कयु न क क
म ॥ ॥ ग मा वन
शी खलु शु ना
स क ला मि शु ॥
१८ व ल ल खि न्या
क मा ध न पि को
न ॥ अ रु का न ॥
अ रु य रु रु रु
॥ ॥ व रु दान ॥

लिलि लि स्मययन
 रमतामाहनी मल्ल
 लमाल रु त ॥
 कयुन कू कैम ॥
 लमनावन श्रीरव
 उ कमुचि कयु
 शुगा सकल ला
 मिश्र मल्लन
 शिकोण बटका
 ॥ अरु यरु नि
 दन वरु प्र वरु
 दान ॥ वरु वरु
 न दान ॥ नि को
 नमस् दी ययाग
 नि दान स ऊव स्व
 व द व वाथ
 श्वरु दान स वाय
 खाल सु ६
 श्वरु सु यरु स वाय
 खाल शा ६

नि वृ त स वाय ॥
 उरु ३ ॥ वरु प्र स
 वाय उरु १० ॥
 दान स ४ वलि ॥
 वात उ धन समा
 लकः अदि क वा
 स ॥ धन वाय विधि
 रमतायुष्य राजन ॥
 मूया द द दान
 वनि सं न्या सको
 वथन ॥ जल वा
 न अरु द दान ययुजा
 आ लम प्र जान ॥ ० ॥
 व द द द दान आ धन
 सकन नम वादि ॥
 रमालनी य १० न
 य अ व लि ॥ ० ॥
 रमतामाहनी म
 लिल नि कोण म
 आ न ॥ ० ॥

ॐ ह्रीं श्रीं आ वा यमे
कथं नमः ॥ ० ॥
ॐ ह्रीं श्रीं मूल प्र
कथं नमः ॥
ॐ ह्रीं श्रीं अ न न
कथं नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं
मल्ल कार्य नमः ॥
ॐ ह्रीं श्रीं यृ धिनमः
ॐ ह्रीं श्रीं भू यव
ता य नमः ॥ ० ॥
ॐ ह्रीं श्रीं ड दाना
य नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं
व न मल्ल या य
नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं
प्र स्मा य नमः ॥
ॐ ह्रीं श्रीं क न ना
य नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं
व न ना य नमः ॥
ॐ ह्रीं श्रीं व म
य नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं
अ प्र स्मा य

ॐ ह्रीं श्रीं अ व रु
य नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं
अ व ना रु य नमः
ॐ ह्रीं श्रीं अ नी स्त
य नमः ॥ ० ॥
ॐ ह्रीं श्रीं स त्व रु
य नमः ॥ ० ॥
ॐ ह्रीं श्रीं व रु रु
य नमः ॥
ॐ ह्रीं श्रीं त म रु
य नमः ॥ ० ॥
ॐ ह्रीं श्रीं मा या
य नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं
वि द्या य नमः ॥
ॐ ह्रीं श्रीं त ड म
य नमः ॥
ॐ ह्रीं श्रीं मू र्ध म
य नमः ॥
ॐ ह्रीं श्रीं अ मि
य नमः ॥

दवस्ववर्कं तया व आसि व क व्यास व नया अनूय क नू ल र्व व्यास नभा कानं कृष्ण
भनमथिय क अरवाय य न कं वा ३ द थ स क वा स ग य मू न वृ न क सु न धनी र्व न
वृ य ॥ स ज्ञा ना ॥ ध सी व दाय वृ ज्ञा या य ॥ ध न धू न का व क नू ल वा न वा का व नि व दू स र्व न
य नि थ व ठ स् क का ल रि न ना स व ध न थ अ दू न न ड सु ध ॐ कृ ण मा य वा दि ॥ अ धा व ज व
नि डि रु का स का न म न म न्क धा न १० थ न द व म क त र वा न म माला स का न ॥ ॥ न व के ग

२५६

नमो श्री ब्रह्म योग
माथ नमः ॥ ० ॥
नमो श्री विष्णु
नामाय नमः ॥
नमो श्री रुद्राय
नमः ॥ नमः ॥
नमो श्री अनंत
आय नमः ॥
दलयद्मायथा
गयद्मायथा ॥
नमः ॥ ० ॥ नि
द्यासनविधिः ॥
नमो श्री यजुष
श्री मावाक्यतः ॥
नमो श्री श्री श्री
श्री महायज्ञ
भवनाकृष्टका
वज्रनंदयिग
रुनासर्वपूतहि
तुमानि विवृण
यवीरुवना

०० रुमलुल

मनी ॥ आगच्छ २
अस्मिन्मल्ल
सानिर्गच्छ २
स्यादावावादा
नादिमध्यस्थ
नभायासादि
कर्मनयुज्यत
तगाकलंजने
मादनीमल्ल
कर्मनयुज्यत
तगाभादनीयु
जामावत्तन
इदंनयुज्यत
नमो श्री श्री श्री
गणपतये नमः
वशदभवत्तन
वर्णमानयस्था
दावादिगदा
नवावीवदका
यनमः ॥ ० ॥

१५॥ श्रीमहात्मनः ॥
कौकिल्यालया
नमः ॥ उक्तं नक्षत्र
वेङ्कटीश्वरं चण्डि
काशेनसे ॥ ० ॥
ॐ निदानं पूजा ॥
वेङ्कटीश्वरं पूजाय
नमः ॥ ॐ आदि
दशलाकपाल १०
१०० आदिना कया
लं चण्डि पूजा ॥
नमो भूषण दलपूजा
वेङ्कटीश्वरं केशवं
दीर्घं ॥ अर्जुनगक
मादं वीयादका ॥
पूजायामि ॥ युव
वानं वेङ्कटीश्वरं
उक्तं ॥ अर्जुनग
मयनदं वीशी
यादका पूजा
मिना आत्मनः ॥

१५॥ श्रीमहात्मनः ॥
कौकिल्यालया
नमः ॥ उक्तं नक्षत्र
वेङ्कटीश्वरं चण्डि
काशेनसे ॥ ० ॥
ॐ निदानं पूजा ॥
वेङ्कटीश्वरं पूजाय
नमः ॥ ॐ आदि
दशलाकपाल १०
१०० आदिना कया
लं चण्डि पूजा ॥
नमो भूषण दलपूजा
वेङ्कटीश्वरं केशवं
दीर्घं ॥ अर्जुनगक
मादं वीयादका ॥
पूजायामि ॥ युव
वानं वेङ्कटीश्वरं
उक्तं ॥ अर्जुनग
मयनदं वीशी
यादका पूजा
मिना आत्मनः ॥

नमोऽस्तु श्री गणेशाय
दक्षिण गच्छ
माधवी श्री याद
वां पूजया मि॥
ॐ नमः ॥ ० ॥

नमोऽस्तु श्री लंका
नमालनी देवी
श्री यादवां पूजया
मि॥ ॐ नमः ॥
ॐ नमोऽस्तु देवी
युजादिधि॥ ० ॥

नमोऽस्तु श्री नयूजा
नमोऽस्तु श्री मादलका
मायनमः ॥ ० ॥
नमोऽस्तु श्री कंदर्प
कामायनमः ॥
नमोऽस्तु श्री मकर
पूजकायनमः
नमोऽस्तु श्री मनमः
नमोऽस्तु श्री यनमः ॥

नमोऽस्तु श्री कामेश्व
वी कामायनमः
नमोऽस्तु श्री आकर्म
ल कामायनमः ॥
नमोऽस्तु श्री नमः ॥ ० ॥
अति नृक वं
नमोऽस्तु श्री या
कर्म यं चवान
नमोऽस्तु श्री या
ॐ नमोऽस्तु श्री या

नमोऽस्तु श्री नयूजा
दक्षिण गच्छ ॐ
मायनमः ॥
श्री यादवां पूजया
मि॥ ० ॥
यामेश्वर नमः
श्री नमः ॥
देवी श्री याद
कायूजया मि॥

अथ कर्म न ॥
हो विद्या शक्ति
दवीष्टी ददुका
युजया मि ॥
गताध्वनं ॥ ० ॥
नका वल्लु ददु
जा नी लाल्य ल
दय धनो ध्वयन
हृदि लि कनयुज
नं ॥

शक्ति कलम ध्व
विद्या ऊर्लि ॥
त्रेष्टी ह्रीं ॥ सर्व
सा रं गध्वनी
दवीया दका
युजया मि ॥ ० ॥
ह्रीं सदा कव
महा दधयान

अथ वा न ॥ दि
मुख निर्मल
वज्र न न न क
चंदन ॥
शीख ०० कसु
वी कवच ग
भावन कं क
म ॥ गम भावन
समा लोड ॥ ० ॥
हृदि का कला
हृदय सा सलि
मल्ल क ध्वना
गता की य म्भु
सी रा म्भु की
न न ॥ ० ॥
गता ध्वनं ॥ ० ॥
शबक वल्लु द
दुदु जां याम्भ

कृष्णश्रवणविनी
कवालीनीउरु
संव स्वसि कास
नसं सिने ॥

ॐ निष्मान ॥
ॐ श्री नमस्तु
जा ॥ माहनी
ॐ ॥ ननाप्रवा
केन स्वस्मरु
नवलि दशान
पूयदीय जाये
सा ॥ ॐ ॥

१ ननासाधन ॥
॥ श्री संवलीय
॥ ॐ ॥ पूर्वोक्त
॥ मेल कर्मसु
॥ न कथा ॥ ॥
॥ ननासाहेलोम
॥ काहेस ॥

गिपूनासाय
आसादिकोम
॥ युजय नम
स्वस्मरुनवल
दशान ॥ ॥

समस्तवल ॥
जुजवादिबलि
वतिसिऊम
नीवलि ॥ ॥
ववस ॥ ॥
वलि ॥ महावलि
धनदलि विस्म
पूयदीय नव
द्यादि जाय
सा ॥ ॥
महागाथा मु
ति ॥ लदुति
जुनयमस्त
स्य माल कोय
नियाय ॥

धर्मधूनकाव
माठशूनस
उमदनयाथ

धर्मधूदाव
पुलकस
पुनयेनय
धर्मधूदाव
मराकुर
लिनादकि
धर्ममूलसिद्धि
यासिद्धि

मगासति
द्ववनेयिवने
पूजायाय
धर्मधूनकाव
दवमयनविद्य

यमवासन
किंकधय

सक्तिकस
सुगआदि
उजाअदि
सकल्यस
धर्मधूनका
कायका
मययय
नयउताय
नाविवि
नाउजिदि
नमकमा
नालन
जिनागेन
जिजिवा
उईसर्वविष
कतहा
शावलि
साहान
नयक

अद्यथा तुल्यं खन
हाय ॥ मित्रं रुं ॥
नादवा स खनन
खान्य ॥ तालपति
मादनी विष्णु
नयाय ॥ खान
भाया लालनस
तगनस्यमि क
धायाय ॥ (थ
मूलमिनि खठ
मानयुजायाय
मकु गाल व
कलि रिं वीर
नउमाय निभ
वहाय ॥ मूलम
यन यदयाव
नायति नयव
को ॥ दलि ॥ ग
सिसमस थव
याव वीर ॥

कमन द्याद्यन
धंग झाय ॥ ० ॥
चंदन सिधन
सखन आगिब
द यलुक् दहा
वहाव मादनी
विसर्जनयाय ॥
कवसके काय ॥
मादनी न व
ह यो खनस ल
लक दलि ॥ का
य ॥ सुरुं लय ॥
आनथिन गाल ॥
हाय हाल युगिस्मा
धनलि ॥ मय मनी
मकु यन के ॥ ० ॥
मृगवालक यवडा
रुका द्रुय के माल
धन धनका व ॥ आ
चार्य रुसा ध

दक्षिणायन ॥ ० ॥
वलि (थ) य ॥ सम
य विथ ॥ दव ॥
कै स्थान क काया
व स कल्य स्थान
विथ ॥ न रि याद

१५ लुक् या इक्
दव तै स्थ दै य
लिव श्रु या खन
कल्य कै रु य ॥ ० ॥
या खन स दा थ
यता ॥ म उ ल ३
स कल्य स घन
विथ ॥ समय व
यन थिय क ॥
दव द्वा य गाल
यनि घा द व ता
य ॥ इ था ॥ ना नि
क कल य पू जा ॥
वि य मा ल ॥ ० ॥

१५ थ क थ थ क ॥
याद न सि दि का
का व स न क गा नि
न सि दि का व स
ना थ य नि य
नि थ य पू जा वि थ
न इ था ॥ ० ॥ नि
थ य सि दि समा क

० १ ग ना दा घ न सि
दि वि थ न ॥ ० ॥
मूल ना ट थ व
यू जन यू धा क
क म ल ना ट थ
व यू ज य त ॥ ० ॥
यू थ रा ज ने या स
गाल ॥ श्वि ॥ व
क लि ॥ आ धा वा
ग ॥ स य दा य
वा य ॥ यू धा व

वर्मन गालु आ
दिन समसु सी
प्रदाय वृज ॥ ॥
सस्य मं न व
लि ॥ वृय दीय
जाय आ ॥ ॥ ० ॥
धन धूदाव ॥ ० ॥
पशु नय नयाय
नमा या ख न
मा ॥ उमा आ दि
न ॥ य न वास
न स्वसि क था
या व स्वसि क
स स्व न ॥ व का
प्र का न ग म ल
निर्वृ नयाय
अद्य वा व ल ख
न दा य ॥ मि न
रु ॥ ता द वा ल स
न वा य ॥ ० ॥

द्यान्य नता दि
न वि ॥ उ न
या य ॥ ० ॥
या ख न मा या
ला दा न स व न
न स्वसि क था य
ग म ल का न ग म ल
का य ग म ल का
य ॥ गाल व द
लि सि ॥ द क न
न स्य उ मा य नि
ल व का य ॥ ० ॥
या द न उ का य
लु द न ॥ आ था
वा ग वि थ ॥ ० ॥
मूल मं य द य
वि थ ॥ द कि ल
न स्य या ख न मा
न का य ॥ ० ॥
ध न धू न का न

चन्दन सिंधुन
सयन विय ॥
मङ्गल दन
मङ्गल आचधि
नगम लं गाय
हाल यनिसा
मृगया द्याखन
रुक्मिणी यको य
वङ्गल रुक्मिणी खाद
नरुक्मिणी माल
नगम आचधि य
जा ॥ दक्षिण
याचकी वाचन
वलि यय ॥ ० ॥
दवसकी खान
को काया वैख
नविय समय
विय ॥ कुवाडा
वख ३ मङ्गल

थल लं खन
को वा ३ ॥ मिनी
विय ॥ ३ ॥ द्याख
नसं दधयस
देवका य ॥ ० ॥
समय यवन
थियकी ॥ ० ॥
द्याखनो य ॥
धनो द्याखन सि
द्धि रामा क ॥

१० नम १० वृ
यनाथा य ॥ ० ॥
नगम क नूला या
वि धन ॥ ० ॥
१० धू को दूम
कल द नू सि
पाळा व ख लि
शान व म रुक्मि
व य व रुक्मि

वक्तासंति द्वाद्वा
ज्ञान॥ नाति स
युजा द्वा द्वा व
न॥ मूलना द्वा द्वा
व यै वा यदा च
युजा या य धृप
दिय जाय सुति
वष्टु नैर्ये न॥ ०॥
धन धन का व॥
क नृण वि य माल
को वा द्वा द्वा व
दव सर्वो स्वचक्र
न्या वे ना सि च
क॥ गन रवा या
व या खन या
अनु मान न का
चल रव या ख
न मा क नृण या
पक्ष थ व थ व
सर्व आचार्यस्य

खं कानं॥ गुदन
थान लि कु द्वा
स्य न म धिय क
कु वा द्वा वर्यं न
कु स वा थ ला व
मणुल स्य ३ मणु
ल थ ला व लं ख
न थ म य न वा
स न वा य॥ स
व दाय या ता य
व वा स न क्षा या
व॥ गाल व द्वा
लि जि व या ख
यान या अनु न
य न म वि दाय
वा य॥ स्व ग लु ल
स क वा वा या व
व न सि ध व ऊ
जा मा का स्या न
क्ष या व॥ या स

यूजन ॥ विधव ३
 शव लाम लस
 ॐ हूँ नन्दि नम
 दाश ववा यनम
 त्रिया ॐ लि ॥
 खव लाम लस
 ॐ हूँ म म हा का
 ल म हा ॐ ववा
 यन म ॥ त्रिया
 ॐ लि ॥ दात स
 ॐ हूँ आ धा व ५
 का यनम ॥ ० ॥
 ॐ हूँ अन का सा
 यनम ॥ ॐ हूँ ६
 दा सा य नम ॥
 ॐ हूँ अक सा य
 नम ॥ ॐ हूँ ना
 या सा य नम ॥
 ॐ हूँ व सा सा य

नम ॥ ॐ हूँ यण
 सा यनम ॥ ॐ हूँ
 कण मा सा यनम
 ॐ हूँ क लि का
 सा यनम ॥ ० ॥
 ॐ हूँ वृ खा सा य
 नम ॥ ॐ हूँ ७
 दा धी म हा वृ थ
 धु व ॐ ववा य
 सर वृ थ ल ली
 म दि ना यनम ॥
 त्रिया ॐ लि ३ ॥
 षठं ग न स यि ५
 आ बा रु ना दि ॥
 आ नि मू डा द ५
 य न ॥ ॐ व य दि य
 जा य ॥ द त १० १
 मु नि ॥ सु स व
 ली वि ध व ॥

ॐ नाल आ दि न

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कनाटकस्य के
वृत्तः सिद्धि काम
नार्थः प्रीतिर्ध्वः
जगत्पद्मदिना
ध्वनं ध्वनकावः ॥
आखनमा ला
सालाव दूयादा
वः ॥ निर्विक्रमः ॥
सद्यः नाथि ॥ ० ॥
आशीर्वादः ॥ ० ॥
प्रतिष्ठा ॥ ध्वनं
ध्वनकावः ॥ ० ॥
वृत्तं संस्कारः ॥
प्रतिष्ठा नसाध
वर्धः ॥ अकृतका
यावः ॥ जयध्वः ॥
मन्त्रः ॥ ॐ ह्रीं य
मायः ॥ दण्डः ॥

य सर्वसमाय
ह्रीं ह्रीं ह्रीं यययय
नमः कवृत्तः
यमहादेव वा
यः ज्ञानमकि
सहितायः ॥ अत्र
नमः ॥ स्वाहा ॥
अमर्षनः ॥ मा
दसं ॥ जयध्वः ॥
नाटिकासं जय
ध्वः ॥ हृदयसं ॥
जयध्वः ॥ नादन
ध्वः ॥ ध्वनं ध्वकावः ॥
गालः ॥ बहुलिः ॥
निर्वः ॥ सद्यः दाय
कायः ॥ आखन
द्वयः ॥ नाठ
ध्वनं मिर्गविय
कावः ॥ यः लि
हावनकावः ॥

स्नानविद्यु मष्ट
लविष्णुजने ॥
मठिलया स्नान
कायाव विष्णु
धनधूनकाव
रुत्यश्च न स वा
दाव समस्त
कायनाद कि
लाया च को ॥
समय विद्यु
स्नानका काया
व स्नान विद्यु ॥
विधिश्च धूनका
धन का नूला
सिद्धि समा क्त

महानिजिगुणधनं॥१॥कोमोक्षकममोक्षदा
कविपूवाभाषे॥कोयदेष्टिजगत्कोयोरुनोडम
रिक्तं॥देवावसाजिमि॥२॥आनाडांकिनिजोलेमाजम
विजुआः॥निगरेविजु॥३॥नायकोविजु
आः॥४॥आना॥५॥कोविजु॥६॥कोविजु
म॥७॥कोविजु॥८॥कोविजु॥९॥कोविजु॥१०॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 अथ श्रीभक्तिसूक्तम् ॥ १ ॥ भक्त्या यत्किञ्चिदप्यहं
 कृतं तद्भवति पूजयेत्तच्छ्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 भक्त्या यत्किञ्चिदप्यहं कृतं तद्भवति पूजयेत्तच्छ्रीकृष्णाय नमः ॥ ३ ॥
 भक्त्या यत्किञ्चिदप्यहं कृतं तद्भवति पूजयेत्तच्छ्रीकृष्णाय नमः ॥ ४ ॥
 भक्त्या यत्किञ्चिदप्यहं कृतं तद्भवति पूजयेत्तच्छ्रीकृष्णाय नमः ॥ ५ ॥

मकार नवधा २ ॥ शुभादिह का चतुर्वधनक नो नका सवामा
दिने श्रीरिधन वि साव र्गि विषम ४ धा सा रु ना वा कु
मि ४ धा ला आल सु र्गि कं को म ल क ल वि सु र्गि मो दु र्गि
कुल ४ ध ग षु लु क या ल म लि न ग भा रु र्गि ४ धि वा रु न
व ४ ॥ ३ ॥ न व लि व लु क न न स र्गि लु पा य दा रु क न का रु
रु न वा धु र्ग वि भ च व क्रि कि लि क ल द्या मो ल का ला रु

लो ॥ ला ना या नु धि भा द न न विल स र्गि सा दि ना दी ति भा ॥
४ धा र्गि य रु दा रु र्गि ल स र्गि ४ धि रु स र्गि न व ४ ॥ ० ॥
न का रु न नि था दि गा स न स र्गि य न ४ धि न ४ धि
ला स्वा दि न क म म ध वि वृ धा क वा रु स र्गि रु र्गि सा न न्दा
वित सा रु का रु कं ग ना वृ र्गि दि रु ४ धि रु र्गि गो र्गि रु
ग वि सा व का ठि डा ग ता ४ धि य रु र्गि न व ४ ॥ ० ॥

[illegible]

ले विना रा ना द्वा नि ग दि म्म श्वा वि ड् अ म्म द्वा म्म द्वा न् न व ॥ १ ॥
 को व्या ण को समी न ण को द रु ण काय को वि ध म्म ना को व का को ड
 ना द न को ग न णि को द्द को ण वा मु न ण क ल्या ना न रु णी न ट ॥ ४ ॥
 अ म्म दि ग ४ धी सि धि आ (ग धु न ४ वी ज ना ट का य को वि ड् म्म
 को द वा म्म ला र्हे न व ॥ ४ ॥ ४४ गि नु य सि धि भा ग रु मा व ॥ ४ ॥
 अ म्म र्क नु य ना थ य न न्ना व ली वि क्ष नि (७) मि क्ष नु य सि धि य